NBT
नवभारत टाइम्स

भारतीय खुदरा बाजार के लिए नई सुबह

पारम्परिक वितरण प्रणाली पर निर्भरता और ई-रिटेलर्स के साथ मुकाबले से परेशान, पारम्परिक खुदरा व्यापारी जस्ट बाय लाइव के क्रान्तिकारी नए मोबाइल ऐप में राहत का अनुभव कर रहे हैं।

यह एक गुप्त संघर्ष है जिसे मुख्य खबरों या वैचारिक लेखों में कोई स्थान नहीं मिलता। बेचारा भारतीय खुदरा स्टोर आज एक तरफ आधुनिक ई-रिटेलर्स से प्रतिस्पर्धा और दूसरी ओर पारम्परिक वितरकों पर निर्भरता के बीच उलझा हुआ है। उन्मुक्त और सही तरीके से व्यापार करने के अधिकार से वंचित रखे जाने के कारण, भारत के १.५ करोड़ खुदरा व्यापारियों का भविष्य अंधकारमय प्रतीत हो रहा है।

परन्तु एक समाधान नज़र आता है। जस्ट बाय लाइव, दुनिया के पहले ई-वितरक ने एक ऐसा मोबाइल ऐप्लीकेशन विकसित किया है जो पारम्परिक खुदरा व्यापारियों के लिए एक जैसा

आम दुकानदार

कार्य क्षेत्र प्रदान करेगा।

इस ऐप में १००० से अधिक ब्रांड और ३ लाख प्रोडक्ट हैं, जिन्हे खुदरा व्यापारी सीधे निर्माताओं और ब्रांड्स से मंगवा सकते हैं। जस्ट बाय लाइव द्वारा सामान खुदरा व्यापारी के पास पहुंच जाता है।

भावेश ठक्कर, दयाल स्टोर के मालिक कहते हैं, "कई बार, ऐसा होता है कि वितरक कंपनियों द्वारा दी जानेवाली अपनी योजनाओं के बारे में साफ़-साफ़ और ठीक से नहीं बताते, जो हमारे लाभ को प्रभावित करता है। लेकिन ऐप में, सारे ऑफर स्पष्टतापूर्वक बताये हुए होते हैं। ऐप से हमें उन कंपनियों तक पहुंचने में भी मदद मिलती है जिनकी वितरण प्रणाली अब तक हम लोगों तक नहीं पहुंच पायी है, या जिनके उत्पाद हमारे संग्रह में नहीं हैं।

इसका मतलब ये हुआ कि हमें अब ऐसे ग्राहकों को मना करने की ज़रूरत नहीं है जो हमसे वो विशेष ब्रांड या उत्पाद मांगते हैं जो हमारे स्टॉक में नहीं हैं।"

वर्तमान में, मुफ्त जस्ट बाय ऐप २५,००० खुदरा व्यापारियों द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा है। यह एंड्रॉइड और एप्पल ऐप स्टोर्स पर उपलब्ध है।